Press Note

Hon'ble Deputy Speaker of Bihar Legislative Assembly Visits Tagore Library, University of Lucknow

Lucknow, September 13, 2026: An 11-member delegation comprising Sri Narendra Narayan Yadav, Hon'ble Deputy Speaker, Bihar Legislative Assembly, and ten officials undertook a study tour of Tagore Library, University of Lucknow, on September 13, 2026, to understand the development, management, functioning and modernisation of university library services.

The delegation was apprised of the rich history of Tagore Library, whose present-day building had its foundation stone laid in **1937** and was inaugurated in **1941** by the then Vice-Chancellor, **Sir Maurice Hallet**. The Library was subsequently renamed after **Nobel Laureate Rabindranath Tagore**, who was a frequent visitor to the University and held the institution in great affection.

The delegation arrived at 2:30 p.m. and the Hon'ble Deputy Speaker was welcomed by the Honorary Librarian, Prof. Roli Misra. The tour commenced with the **Online Public Access Catalogue (OPAC)**, through which the Library's collection can be searched by title, author, ISBN and subject.

The delegation then visited the Bisheshwar Nath Reading Hall, appreciating its spacious seating capacity and table dividers that provide a conducive study environment. At the **Rare Artefacts Section**, the members examined rare artefacts and manuscripts, including the **First National Atlas of India, Guru Granth Sahib, Mahabharata in Pali, Smriti SarSamuchya by Paap Raj in Pali, and Acharya Champu by Tarkik Singh in Sanskrit**. They were informed that these manuscripts were written on **palm leaves**, representing the traditional manuscript heritage of South Asia.

The team subsequently visited the **Radhakamal Mukherjee Art Gallery & Museum**, where it viewed paintings by renowned artists including **Asit Kumar Haldar, Nandlal Bose and Jamini Roy**, as well as contemporary artworks. The members appreciated the Library's efforts towards preserving art and cultural heritage.

Tagore Library was presented as a **unique blend of traditional and digital resources and an important centre for cultural heritage preservation**. The delegation was apprised of the **Remote Access Facility**, which provides remote access to the University's subscribed e-resources. With around **17,000 registered users, including more than 200 faculty members**, the facility provides access to subscribed resources, over **5,000 e-books**, more than **13,000 journals through One Nation One Subscription (ONOS)** and several discipline-specific databases.

At the **Automation Section**, the delegation was briefed about **SOUL 3.0** and the **Online Copy Catalogue System** implemented through INFLIBNET. The team also visited the **Personal Reading Room, Civil Services Section and Toppers' Copy Section**, appreciating their contribution to academic and competitive examination preparation.

The team also visited the **Cyber Library**, comprising three computer laboratories—Lab A for undergraduate students, and Lab B for postgraduate students, and Lab C for research scholars and faculty members.

The delegation appreciated the Library's systematic functioning, integration of traditional and digital resources, heritage preservation initiatives and student-oriented facilities. Prof. Roli Misra, Honorary Librarian, Tagore Library, Prof. Vinit Verma, Superintendent, Works Department, and Dr. Pravish Prakash, Head, Department of Library and Information Science, and all Assistant Librarians were also present during the visit.

बिहार विधानसभा के माननीय उपाध्यक्ष ने लखनऊ विश्वविद्यालय के टैगोर पुस्तकालय का किया भ्रमण

लखनऊ, 13 सितंबर 2026: बिहार विधानसभा के माननीय उपाध्यक्ष श्री नरेंद्र नारायण यादव तथा दस अधिकारियों सहित 11 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने 13 सितंबर 2026 को लखनऊ विश्वविद्यालय के टैगोर पुस्तकालय का अध्ययन भ्रमण किया। भ्रमण का उद्देश्य विश्वविद्यालय पुस्तकालय सेवाओं के विकास, प्रबंधन, कार्यप्रणाली एवं आधुनिकीकरण को समझना था।

प्रतिनिधिमंडल को टैगोर पुस्तकालय के समृद्ध इतिहास से अवगत कराया गया। वर्तमान भवन की आधारशिला **1937** में रखी गई थी तथा इसका उद्घाटन **1941** में तत्कालीन कुलपति **सर मॉरिस हैलेट** द्वारा किया गया था। बाद में पुस्तकालय का नाम **नोबेल पुरस्कार से सम्मानित रवीन्द्रनाथ टैगोर** के नाम पर रखा गया, जो विश्वविद्यालय के नियमित आगंतुक रहे और विश्वविद्यालय के प्रति विशेष स्नेह रखते थे।

प्रतिनिधिमंडल अपराह्न **2:30 बजे** पहुँचा और माननीय उपाध्यक्ष का स्वागत मानद पुस्तकालयाध्यक्ष **प्रो. रोली मिश्रा** द्वारा किया गया। भ्रमण की शुरुआत **ऑनलाइन पब्लिक एक्सेस**

कैटलॉग (OPAC) से हुई, जिसके माध्यम से पुस्तकालय संग्रह को शीर्षक, लेखक, ISBN एवं विषय के आधार पर खोजा जा सकता है।

प्रतिनिधिमंडल ने इसके बाद **विशेश्वर नाथ रीडिंग हॉल** का भ्रमण किया तथा इसकी पर्याप्त बैठक क्षमता एवं टेबल डिवाइडर्स की सराहना की, जो अध्ययन के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान करते हैं। **दुर्लभ कलावशेष अनुभाग** में सदस्यों ने दुर्लभ कलावशेषों एवं पांडुलिपियों का अवलोकन किया, जिनमें **भारत का प्रथम राष्ट्रीय एटलस, गुरु ग्रंथ साहिब, पाली भाषा में महाभारत, पाली में पाप राज कृत स्मृति सारसमुच्चय तथा संस्कृत में तार्किक सिंह कृत आचार्य चम्पू** शामिल थे। उन्हें बताया गया कि ये पांडुलिपियाँ **ताड़पत्रों** पर लिखी गई हैं, जो दक्षिण एशिया की पारंपरिक पांडुलिपि विरासत का प्रतिनिधित्व करती हैं।

इसके पश्चात प्रतिनिधिमंडल ने **राधाकमल मुखर्जी कला दीर्घा एवं संग्रहालय** का भ्रमण किया, जहाँ **असित कुमार हल्दर, नंदलाल बोस एवं जामिनी राय** सहित प्रसिद्ध कलाकारों के चित्रों तथा समकालीन कलाकृतियों का अवलोकन किया। सदस्यों ने कला एवं सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण की दिशा में पुस्तकालय के प्रयासों की सराहना की।

टैगोर पुस्तकालय को **पारंपरिक एवं डिजिटल संसाधनों के अनूठे समन्वय तथा सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण के एक महत्वपूर्ण केंद्र** के रूप में प्रस्तुत किया गया। प्रतिनिधिमंडल को **रिमोट एक्सेस सुविधा** के बारे में भी अवगत कराया गया, जो विश्वविद्यालय के सब्सक्राइब किए गए ई-संसाधनों तक दूरस्थ पहुँच प्रदान करती है। लगभग **17,000 पंजीकृत उपयोगकर्ताओं, जिनमें 200 से अधिक शिक्षक शामिल हैं**, के लिए यह सुविधा सब्सक्राइब किए गए संसाधनों, 5,000 से अधिक **ई-पुस्तकों**, **वन नेशन वन सब्सक्रिप्शन (ONOS)** के माध्यम से उपलब्ध 13,000 से अधिक **जर्नल** तथा विभिन्न विषय-विशिष्ट डेटाबेस तक पहुँच प्रदान करती है।

ऑटोमेशन अनुभाग में प्रतिनिधिमंडल को **सोल 3.0 (SOUL 3.0)** तथा INFLIBNET के माध्यम से कार्यान्वित **ऑनलाइन कॉपी कैटलॉग प्रणाली** के बारे में जानकारी दी गई। प्रतिनिधिमंडल ने **पर्सनल रीडिंग रूम, सिविल सर्विसेज अनुभाग एवं टॉपर्स कॉपी अनुभाग** का भी भ्रमण किया तथा अकादमिक एवं प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी में इनके योगदान की सराहना की।

प्रतिनिधिमंडल ने **साइबर लाइब्रेरी** का भी भ्रमण किया, जिसमें तीन कंप्यूटर प्रयोगशालाएँ हैं—**लैब A स्नातक विद्यार्थियों के लिए, लैब B स्नातकोत्तर विद्यार्थियों के लिए तथा लैब C शोधार्थियों एवं संकाय सदस्यों के लिए** निर्धारित है।

प्रतिनिधिमंडल ने पुस्तकालय की सुव्यवस्थित कार्यप्रणाली, पारंपरिक एवं डिजिटल संसाधनों के समन्वय, विरासत संरक्षण की पहलों तथा विद्यार्थी-केंद्रित सुविधाओं की सराहना की। भ्रमण के दौरान प्रो. रोली मिश्रा, मानद पुस्तकालयाध्यक्ष, टैगोर पुस्तकालय, प्रो. विनीत वर्मा, कार्य अधीक्षक, निर्माण विभाग, डॉ. प्रविश प्रकाश, विभागाध्यक्ष, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान विभाग तथा सभी सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष भी उपस्थित रहे।